हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 21 अक्टूबर 2024

तापमान

अधिकतम 37.5 डिग्री
न्यूनतम 20.4 डिग्री

11 साबी बैराज में छोड़ जा रहे दूषित पानी को लेकर एनजीटी कोर्ट में सुनवाई आज

12 शास्त्रीय व सोलो डांस में थिरके बच्चों के कदम एकल गान में सुर और ताल का रहा संगम

खबर संक्षेप

घर से दो मोबाइल फोन चुराकर चोर फरार

रेवाड़ी। गांव गिंदोखर में चोर घर से दो मोबाइल फोन चोरी कर ले गया। गांव गिंदोखर निवासी विक्रम ने सदर थाना पुलिस को बताया कि उसकी गत रात करीब 2:30 बजे कुछ आवाज सुनकर आंख खुल गई। जब वह कमरे से बाहर आया तो एक चोर उसके घर की दीवार फांदकर भाग रहा था। उसने उसका पीछा भी किया, लेकिन वह अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। जब वह वापस घर पहुंचा तो चोर उसके घर से उसका व उसकी पत्नी का मोबाइल फोन चोरी कर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मैकेनिक की दुकान से नकदी व सामान चोरी

डहीना। गांव डहीना के महेन्द्रगढ़ रोड पर गत रात एक मैकनिक की दुकान का ताला तोड़कर चोर 16 बैटरियां, एल्टीनेटर, सेल्फ स्टार्टर व 16 हजार की नकदी चोरी कर ले गए। डहीना चौकी पुलिस को दी शिकायत में बाबूलाल ने बताया कि उसने महेन्द्रगढ़ रोड पर मैकेनिक की दुकान की हुई है। गत रात को चोर उसकी दुकान से 13 स्क्रैप बैट्री, 3 काम चलाऊ बैट्री, एल्टीनेटर, सेल्फ स्टार्टर व नकदी चोरी कर ले गए। सुबह दुकान पर पहुंचने पर उसको चोरी का पता लगा। पुलि से अज्ञात पर चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

गांव भूड़ला में बाड़े से दस बकरियां चोरी

कसोला। गांव भूड़ला से चोर बाड़े से 10 बकरियां चोरी कर ले गए। कसोला थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव निवासी अजीत ने बताया कि उसने 10 बकरियां पाली हुई है। रोज की तरह गत शाम को उसने बकरियां बाड़े में बांधी थी और वहीं पर सो गया था। सुबह जब उसकी आंख खुली तो रस्सियां कटी हुई थी और बकरियां गायब थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर के बाहर खड़े ट्रैक्टर में लगाई आग

जाटूसाना। गांव बेरली कलां में किसी ने घर के बाहर खड़े ट्रैक्टर को आग लगा दी। जाटूसाना थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव बेरली कलां निवासी प्रदीप ने बताया कि उसने वर्ष 2019 में 4 लाख रुपये में एक ट्रैक्टर खरीदा था। अपना ट्रैक्टर गत रात घर के सामने खड़ा किया था। रात करीब एक बजे किसी ने उसके ट्रैक्टर को आग लगा दी। इससे पहले की आग को बुझाया जाता, ट्रैक्टर जल चुका था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइपास पर बाइक की टक्कर से व्यक्ति घायल

रेवाड़ी। शहर के बाइपास पर सैर करके लौट रहे व्यक्ति की बाइक को एक अन्य बाइक चालक ने टक्कर मार दी, जिससे वह बेहोश हो गया। मॉडल टॉउन थाना पुलिस को दी शिकायत में कालका रोड स्थित विकास नगर निवासी सत्यवीर सिंह ने कहा कि 19 अक्टूबर सुबह वह और उसका भाई धर्मबीर आफरिया बाइक पर राव तुलाराम पार्क में सैर करने के लिए गए थे। जब वह वापस लौट रहे थे तो बाइपास पर तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद बाइक चालक फरार हो गया। टक्कर के बाद धर्मबीर सड़क पर गिरकर बेहोश हो गया। पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कंपनी कर्मचारी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

धारूहेड़ा। गांव खलियावास से कंपनी के लिए निकला कर्मचारी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। धारूहेड़ा थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव खलियावास निवासी सुरेश कुमार ने बताया कि उसका 22 वर्षीय लड़का आदित्य 19 अक्टूबर सुबह कंपनी के लिए गया था, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटा। कंपनी में पता करने पर पता चला कि आदित्य दोपहर 2:20 पर कंपनी से निकला था।

महिलाओं ने रविवार दोपहर में विधि-विधान से सुनीं चौथ माता की कथा

करवा चौथ पर सुहागिनों ने किया चांद का दीदार छलनी में चेहरा देखकर मांगी पति की दीर्घायु

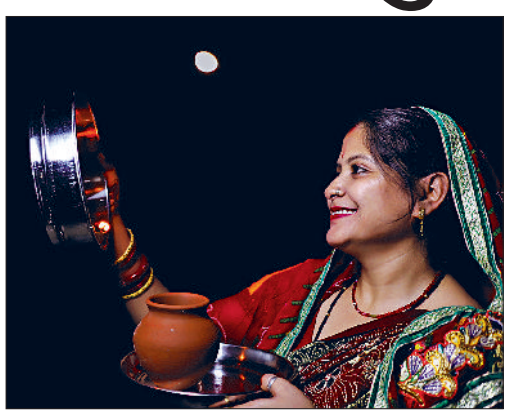

रेवाड़ी। करवा चौथ के पर्व पर माता की कहानी सुनती सुहागिनें, करवा चौथ के पर्व पर पंजाबी मार्केट में चूड़ियां पसंद करती महिलाएं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सुहागिने ने रखा निर्जला उपवास

गांव नाहड़ में करवाचौथ के पर्व पर सुहागिनों ने निर्जला उपवास रखकर पति की दीर्घायु की दुआ मांगी। कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्थी के दिन रविवार को करवाचौथ पर सुहागिनों ने सोलह श्रृंगार कर बुजुर्ग महिलाओं से चौथ माता की कहानी सुनी। रात को चंद्रमा को अर्घ्य देकर पूजा की। पतियों ने अपने हाथों से उनका व्रत खुलवाया। बुजुर्ग महिला सुमित्रा देवी ने बताया कि हिंदू धर्म में महिलाओं के लिए करवा चौथ व्रत का खास महत्व होता है। पति और पत्नी के बीच के प्रेम को दर्शाने वाला बेहद निष्ठा पूर्ण व श्रद्धा भाव से उपवास रखने का त्योहार है।

सुहागिनों ने प्रेम व विश्वास का पवित्र त्योहार करवाचौथ रविवार को धूमधाम से मनाया। महिलाओं ने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखा और सांस्कृतिक लिबास में दोपहर से शाम तक कथा सुनीं। रात को 8 बजे बाद निकले चांद के दीदार करके अर्घ्य दिया तथा छलनी में पति की चेहरा देखकर लंबी उम्र की कामना की। करवाचौथ के पर्व पर रविवार को बाजार भी काफी भीड़ रही। साड़ियों, ज्वेलर्स तथा गिफ्ट शॉप पर महिलाओं की भीड़ लगी रही। सुहागिनों ने ब्यूटी पार्लरों पर मेकअप व श्रृंगार कराया। मिठाईयों की भी दुकानों पर रौनक काफी रही। करवा चौथ के पर्व को लेकर पिछले कई दिनों से बाजार में भीड बनी हुई है। महिलाएं साड़ियां, आभूषण व अन्य साज-सज्जा के सामान खरीदने में जुटी थी। महिलाओं के करवा चौथ पर्व को देखते हुए ज्वेलर्स ने जहां अलग-अलग डिजाइन के गहनें बनाए थे, वहीं साड़ियों के शोरूम में भी आधुनिक डिजाइनों की साड़ियां पर मंगवाई गई। पिछले चार-पांच दिनों में बाजारों में काफी रौनक रही। रविवार को सुबह से महिलाओं में करवाचौथ पर्व को लेकर काफी उत्साह दिखाई दिया। महिलाओं ने व्रत रखा तथा सज संवर कर दोपहर बाद चौथ माता की कहानी सुनीं।

सुहागिनों की सामूहिक पूजा किया

शहर के मोहल्ला टंडूवाड़ा में प्रति वर्ष शिव मंदिर में महिलाएं सामूहिक रूप से करवा चौथ की पूजा करती है। रविवार शाम को करवाचौथ के पर्व पर शिव मंदिर में मोहल्ले की सौ से अधिक महिलाओं ने चौथ माता की कथा सुनी। कथा सुनने के बाद महिलाओं ने आपस में थालियों को घुमाया और माता से पति की दीर्घायु की कामना की।

हलवाईयों का भी बाजार हुआ गर्म

करवा चौथ के त्योहार के साथ ही हलवाईयों की दुकानों पर भी रौनक लौट आई। दीपावली में अभी 11 दिन का समय है, लेकिन मिठाईयों का बाजार पूरी तरह से गर्म हो चुका है। करवा चौथ के व्रत को देखते हुए हलवाईयों ने भी कई प्रकार की मिठाई बनाई हुई थी। मिष्ठान भंडारों पर शाम तक काफी भीड़ लगी रही।

इसके बाद व्रतधारी महिलाओं ने बुर्जुगों व पति का आर्शीवाद लिया। रात को चंद्रमा को अर्घ्य देकर अपने पति की दीर्घायु की कामना की। करवा चौथ महिलाओं के सजने संवरने का भी त्योहार है। इसलिए महिलाएं ब्यूटी पार्लरों पर पहुंची। पार्लरों पर सुबह से ही भीड़ रही। पार्लर संचालकों ने भी जमकर चांदी कूटी। पंजाबी मार्केट व बीएमजी मॉल में सुहागिनों ने आकर्षक डिजाइनों की मेहंदी लगवाई। चूड़ियों की दुकानों में भी महिलाओं की काफी भीड़ रही।

मैंटीनेंस इंजीनियर व गार्ड कंपनी से चुरा ले गए 14.62 लाख का कॉपर

रेवाड़ी। बावल के औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक कंपनी से कंपनी का मैंटीनेंस इंजीनियर व गार्ड 14.62 लाख रुपये की कॉपर रिंग चोरी कर ले गए। वारदात करने से पूर्व आरोपियों ने कंपनी में लगे सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए थे, लेकिन आरोपी सामने स्थित एक कंपनी के कैमरे में कैद हो गए।

■ वारदात करने से पूर्व आरोपियों ने कंपनी में लगे सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए थे

कसोला थाना पुलिस को दी शिकायत में बावल के एचएसआईआईडीसी स्थित दक्ष इंजीनियर्स के प्रोपराइटर मनीष कुमार ने बताया कि उसकी कंपनी में संदीप कुमार बतौर मैंटीनेंस इंजीनियर व पीटर बतौर गार्ड नियुक्त है। 5 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव होने के कारण कंपनी की छुट्टी थी। केवल मैंटीनेंस व साफ सफाई के लिए स्टॉफ आया हुआ था। इसी दौरान संदीप कुमार व गार्ड पीटर मिलकर कंपनी में कार लेकर पहुंचा और स्टॉक रूप के सीसीटीवी कैमरे बंद कर वहां से लगभग 14.62 लाख रुपये की कॉपर रिंग चुरा ले गए। चोरी का खुलासा 16 अक्टूबर को उस समय हुआ, जब जरूरत पड़ने पर रिंग लोड करने के लिए स्टॉफ स्टॉक रूप में पहुंचा। जब सीसीटीवी कैमरे चैक किए तो 5 अक्टूबर को कैमरे बंद मिले। सामने की एक कंपनी के सीसीटीवी कैमरे चैक किए तो चोरी का पता चला। मनीष कुमार का आरोप है कि संदीप व पीटर चोरी करते हुए कैमरे में कैद हुए है। इससे पहले भी जो चोरियां हुई है, इन्हीं का हाथ लगता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिस घर में नारी का आदर-सम्मान, उस घर में सुख, समृद्धि व लक्ष्मी का निवासः जुनेजा

■ सनातन धर्म में करवा चौथ का पावन पर्व नारी की मर्यादा को नई ऊंचाइयां प्रदान करता है

रेवाड़ी। अतिथियों को सम्मान करते संस्था के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था के तत्वावधान में रविवार को नारी सम्मान का कार्यक्रम नारी की तपस्या व पावन प्रेम का पर्व है करवाचौथ का आयोजन पंजाबी धर्मशाला में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला भाजपा उपाध्यक्ष अजय पाटौदा, एचएमवीए के प्रदेश उपप्रधान रामरतन यादव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि सनातन धर्म में करवा चौथ का पावन पर्व नारी की मर्यादा को नई ऊंचाइयां प्रदान करता है। राजकुमारी सावित्री का विवाह गरीब लकड़हारे सत्यवान से हुआ। पतिव्रता नारी सावित्री को एक वर्ष पश्चात अपने पति की मृत्यु का पूवार्भास हो गया। उसने एक वर्ष तक निरंतर उपवास रखते हुए महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया। कहते हैं कि सावित्री की कठोर तपस्या के आगे यमराज को उनके पति सत्यवान को जीवित करने के लिए विवश कर दिया। हमारे सनातन में पत्नी अपने पति की प्राण रक्षा के लिए यमराज के सामने भी डटकर खड़ी हो सकती है। हिंदी युवा वाहिनी के जिला प्रभारी श्याम सुंदर हिंदू, अध्यक्ष जसवंत हिंदू, उपाध्यक्ष अनिल पंडित व कोषाध्यक्ष चंचल हिंदू ने कहा कि मेघनाथ युद्ध में लक्ष्मण के हाथों मारा गया। मेघनाथ की पत्नी सुलोचना ने कहा कि लक्ष्मण की धर्मपत्नी उर्मिला जो पिछले 13 वर्षों से निराहार रहकर अपने पति के दीर्घ जीवन के लिए अखंड जाप कर रही है, उसी के तप के प्रभाव से ही लक्ष्मण महा शक्तिशाली मेघनाथ का वध कर पाया। प्रधान अरुण गुप्ता, सहसंयोजक प्रवीण ठाकुर, महिला संयोजक शशि जुनेजा व पूर्व नगर प्रधान सरोज भारद्वाज ने कहा कि जिस घर में नारी का आदर सम्मान होता है, उसी घर में सुख, समृद्धि व लक्ष्मी का निवास होता है। परिवारजनों को उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। प्रवीण ठाकुर ने सभी को गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो भजन पर एरोबिक्स का अभ्यास कराया। पूर्वांशी, तन्वी, माहिरा व ओजस्वी ने जग में सुंदर है दो नाम चाहे कृष्ण कहो या राम का सुंदर भजन सुनाया। उल्लेखनीय सेवाओं के लिए डा. सपना यादव, शिक्षाविद् डा. बलबीर अग्रवाल, समाजसेवी राजेंद्र गेरा, पवन कुमार व शिक्षाविद् सीएल सोनी को सम्मानित किया गया। हिंदू युवा वाहिनी के साथियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। अतिथियों को मां दुर्गा, मां सरस्वती व मां लक्ष्मी के चित्र भेंट किए गए। कार्यक्रम में सुदर्शन मेहंदीरत्ता, जगदीश मखीजा, कपिल कपूर, लक्ष्मी नारायण, राजा राम, किशोरी नंदवानी व हिमांशु सहित अनेक लोग मौजूद थे।

पब्लिक हेल्थ विभाग ने दिया उपभोक्ताओं को पानी का बिल जमा कराने का रिमाइंडर

रेवाड़ी। जनस्वास्थ्य विभाग ने उपभोक्ताओं को समय पर पानी का बिल जमा कराने की हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि जिन उपभोक्ताओं के पानी के बिल बकाया है, वह निर्धारित तिथि को अपना बिल जरूर जमा करा दें, अन्यथा पानी का कनेक्शन काट दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि रावली हाट, स्वामीवाड़ा, बल्लूवाड़ा, वैधवाड़ा, रामगली, मॉडल टाउन पार्ट-1, मॉडल टाउन पार्ट-2, गढ़ी बोलनी रोड, शक्ति नगर, कैनाल कॉलोनी, बस स्टैंड, राधा स्वामी कॉलोनी, साउथ सिटी, नार्थ सिटी व भक्ति नगर के उपभोक्तओं की बिल भरने की ड्यू डेट 24 अक्टूबर है। परशुराम कॉलोनी, पुराना हाउसिंग बोर्ड, भाड़ावास रोड, नई अनाजमंडी, सती कॉलोनी, कंपनी बाग, हंस नगर, न्यू आदर्श नंगर, आदर्श नगर, इंद्रा कॉलोनी, आईजीडी आदर्श नगर, विकास नगर, आईजीडी विकास नगर, सुभाष बस्ती व आईजीडी सुभाष बस्ती के उपभोक्ता 6 नवंबर तक बिल भर सकते है। इसके अलावा शिव कॉलोनी, आईजीडी शिव कॉलोनी, शिव कॉलोनी-2, अजय नगर, आईजीडी अजय नगर, रामसिंह पुरा, मयूर विहार, नया गांव दौलतपुर, यादव नगर, आईजीडी यादव नगर, हजारी बास, गुलाबी बाग, देव नगर, कुतुबपुर पार्ट-1, कुतुबपुर पार्ट-2, आईजीडी कुतुबपुर, पांचावाला, जसवंत नगर व आईजीडी वाल्मीकि बस्ती के उपभोक्ता 8 नवंबर पर अपना पानी का बिल जमा करा सकते है। पब्लिक हेल्थ विभाग के एसडीओ ने कहा कि जिन उपभोक्ताओं को किसी कारणवश पानी का बिल प्राप्त नहीं हुआ है तो वह विभाग से बिल लेकर जमा करा सकते है।

परेशानी रोडवेज विभाग ने रिकॉर्ड में सीहा बस स्टॉप हटाया, रूट बदलकर पांच रुपये किराया बढ़ाया

पहले झेल रहे यात्री समय की मार, अब किराए का बोझ बढ़ा

रेवाड़ी। कंवाली-मसीत की टूटी हुई सड़क, पुल निर्माण के लिए खुदाई करती जेसीबी, बस स्टैंड में खड़ी बसें व यात्रियों की भीड़। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डहीना रेलवे स्टेशन के निकट शुरू हुआ रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य शुरू में यात्रियों के लिए समय की परेशानी बढ़ा रहा था। अब रोडवेज विभाग ने सीहा बस स्टॉप को महेंद्रगढ़ रूट से हटाकर 5 रुपये किराए की वृद्धि से यात्रियों की जेब पर बोझ बढ़ा दिया है। इस रूट पर प्राइवेट बस ऑपरेटरों के प्रति अधिकारियों की मेहरबानी भी यात्रियों के लिए मुसीबत का कारण बन रही है। प्राइवेट बसों में पुराने किराए की वसूली ही हो रही है, जिस कारण इस रूट पर रोडवेज बसों में बैठने से यात्री बचने लगे हैं। रेलवे ओवरब्रिज का निर्माणकार्य शुरू होने के बाद सीहा व डहीना के लिए रोड को आवागम ने के लिए बंद कर दिया गया है। वाहनों को सीहा बस स्टॉप के नजदीक से मसीत और कंवाली होते हुए डहीना निकाला जा रहा है। मसीत से कंवाली के बीच रोड बदहाल होने के कारण इस रूट से महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी के बीच आवागमन करने वाले वाहनों को करीब आधे घंटे का समय ज्यादा लग रहा है। प्राइवेट और अधिकांश रोडवेज बसें इसी रूट से होकर आवागम कर रही हैं। प्राइवेट बस ऑपरेटरों ने किराया नहीं बढ़ाया, जबकि रोडवेज बसों में 5 रुपये की वृद्धि कर दी गई है। सीहा बस स्टॉप को इस रूट से हटाकर बुड़ौली, औलांत, मोतला कलां व कंवाली से डहीना-महेंद्रगढ़ रूट बनाया गया है। इससे महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी के बीच की दूरी लगभग 10 किलोमीटर तक ज्यादा हो गई। कागजों में रूट बदले जाने के बावजूद अधिकांश रोडवेज बसें मसीत रूट से ही निकल रही हैं। इन बसों में परिचालक सीहा की सवारियां भी अपने रिस्क पर बैठाते हैं। सीहा तक के यात्रियों की संख्या भी काफी अधिक होती है। यात्री सिर्फ ज्यादा समय लगने की मार झेल रहे थे, परंतु अब उनकी जेब पर आर्थिक बोझ भी बढ़ा दिया गया है।

किलोमीटर बढ़ने से बढ़ा किराया

सीहा से डहीना के बीच सड़क बंद होने के कारण रूट बदला गया है। इससे बसों के किलोमीटर भी बढ़ गए हैं, जिस कारण किराए में वृद्धि की गई है। प्राइवेट बसों को अधिक समय देने के मामले की जांच कराई जाएगी।

-देवदत, जीएम।

हर स्टॉप का किराया पांच रुपये ज्यादा

रोडवेज विभाग ने रूट बदलकर बुड़ौली से महेंद्रगढ़ की ओर डहीना, कनीना व महेंद्रगढ़ के बीच आने वाले सभी स्टॉप का किराया 5 रुपये बढ़ा दिया है। कभी-कभार सफर करने वाले यात्रियों के लिए 5 रुपये मामूली बात है, लेकिन दैनिक यात्रियों की जेब पर इससे ज्यादा भार पड़ रहा है। दैनिक वेज पर काम करने वाले नौकरीपेशा लोगों के लिए मामूली लगने वाली किराए की वृद्धि भी बजट बढ़ाने का काम कर रही है।

विभाग को ही भारी पड़ रहा किराया

विभाग की ओर से इस रूट पर किराया बढ़ाने के बाद दैनिक सफर करने वाले यात्रियों ने रोडवेज बसों के सफर से किनारा करना शुरू कर दिया है। प्राइवेट बस ऑपरेटरों ने न तो रूट बदला है और न ही किराए में वृद्धि की है। पांच रुपये बचाने के चक्कर में लोग प्राइवेट बसों का ही इंतजार करते हैं, जिससे रोडवेज बसों में यात्रियों की संख्या कम होने लगी है। रोडवेज की किराया वृद्धि प्राइवेट बस मालिकों के फायदे का सौदा साबित हो रही है। रोडवेज़ अधिकारियों को विभागीय घाटे से भी कोई सरोकार नहीं है।

प्राइवेट बस मालिकों पर पूरी मेहरबानी

रोडवेज विभाग के अधिकारी प्राइवेट बस मालिकों पर पूरी तरह मेहरबान नजर आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार महेंद्रगढ़ रूट पर रोडवेज बसों को उनकी रोटेशन के हिसाब से चलाने की बजाय कई बसों को मिस कर दिया जाता है। रोडवेज बस मिस होने के बाद यात्री प्राइवेट बसों में सफर को मजबूर हो जाते हैं। कई प्राइवेट बसों को बस स्टैंड पर 16 मिनट तक का समय दिया जा रहा है, जबकि उनका समय 8 मिनट ही निर्धारित है। शाम के समय महेंद्रगढ़ के लिए चलने वाली अंतिम बस को कोसली होकर चलाया जा रहा है।

प्राइवेट बस ऑपरेटरों को जमकर चांदी काटने का मौका

प्राइवेट बस ऑपरेटरों को जमकर चांदी काटने का मौका देने के लिए रोडवेज के कुछ भ्रष्ट कर्मचारी बड़ी भूमिका अदा कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार के अनुसार विभाग को ही चूना लगाते हुए प्राइवेट बसों से वसूली के बाद बस स्टैंड पर उन्हें निर्धारित से ज्यादा समय दिया जाता है। सैटिंग के आधार पर रोडवेज बसों को जानबूझकर मिस कर दिया जाता है। बस स्टैंड के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज इस बड़े राज से पर्दा उठा सकती है, लेकिन अधिकारी पूरी तरह अंजान बने हुए हैं।

जिंदगी को आसान नहीं बल्कि
खुद को मजबूत बनाना पड़ता है।
सही समय कभी नहीं आता
बस समय को सही बनाना पड़ता है।
- डा. एपीजे अब्दुल कलाम

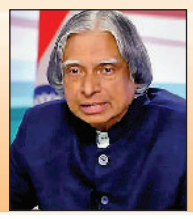

लगातार तीन दिन से हो रही बारिश ने सुमित्रा की मुश्किलें बढ़ा दी थी। घर का सारा राशन समाप्त हो चुका था। छोटे बेटे की तबियत और खराब हो गयी थी। मजदूरी के पैसे भी खत्म हो चुके थे। किससे मदद मांगे। भूख के मारे बच्चों की हालत खराब हो चुकी थी। पीपे को खोलकर देखा तो उसमें थोड़े से चावल पड़े थे लेकिन वह पर्याप्त नहीं थे।

कहानी

प्रवीन वर्मा 'राजन'

देवता

सभी मजदूरों के साथ सुमित्रा और कम्मो भी मुंशी के सामने इकठ्ठा हो गए।

मुंशी ने कहा- 'देखो, बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही है। इससे काम ठीक से नहीं हो पा रहा है। तुम लोग अपना हिसाब कर लो, अब बरसात बाद ही काम शुरू हो पायेगा।' मुंशी ने सबको उनकी मजदूरी दे दी।

सुमित्रा और कम्मो भी बुझे मन से सभी मजदूरों के साथ अपने घर लौट गईं। सुमित्रा विधवा और तीन बच्चों की मां थी और बहुत ही गरीब थी। मजदूरी करके अपना और अपने बच्चों का पेट पालती थी। मगर इस बरसात ने सुमित्रा की कमर तोड़ दी थी। करमजली बरसात भी बंद होने का नाम नहीं ले रही- मन ही मन बुदबुदाई सुमित्रा। 'अम्मा तिरपाल से पानी टपक रहा है।'

'हां बिटिया,सुमित्रा फ़टे हुए तिरपाल को देखकर बोली।' पन्नी, बांस, तिरपाल तानकर किसी तरह अपना छोटा सा आशियान बनाया था। उस पर भी नगर निगम वाले जब तब गिरा देते थे। लगातार तीन दिन से हो रही बारिश ने सुमित्रा की मुश्किलें बढ़ा दी थी। घर का सारा राशन समाप्त हो चुका था। छोटे बेटे की तबियत और खराब हो गयी थी। मजदूरी के पैसे भी खत्म हो चुके थे। किससे मदद मांगे। भूख के मारे बच्चों की हालत खराब हो चुकी थी। पीपे को खोलकर देखा तो उसमें थोड़े से चावल पड़े थे लेकिन वह पर्याप्त नहीं थे। थोड़ी सी लकड़ियां बची थीं, चूल्हा जलाने के लिए। किसी तरह चूल्हा जलाकर भात बनाया और बच्चों को खिलाने लगी।

बड़ी बिटिया बोली- 'अम्मा मुझे भूख नहीं है, छोटे और दीनू को खिला दो।'

सुमित्रा जानती थी कि मुसीबतों ने नौ साल की बिट्टो को समय से पहले ही बड़ा कर दिया। थोड़े से भात से छोटे और दीनू का पेट न भर सका।

'अम्मा नमक भात से अब पेट नहीं भरता, सब्जी दाल कब बनाओगी।' सुमित्रा की तरफ हसरत भरी निगाहों से देखते हुए दीनू ने कहा!

'कल हम लोग दाल बनाएंगे।'सुमित्रा ने दिलासा दी। आज तो किसी तरह समझा-बुझाकर दोनों बच्चों को सुला दिया। कल क्या होगा? बिट्टो और खुद भूखी ही लेट गयी। सुमित्रा की आंखों से नींद कोसों दूर थी। बच्चों के भूख से बिलखते चेहरे को याद करते-करते कब सुबह हो गयी, पता ही नहीं चला।

बिट्टो ने जगाया और कहा, 'अम्मा छोटे की तबियत और बिगड़ गयी।'

सुमित्रा भागकर छोटे के पास गई और उसे गोदी में उठाकर रोने लगी। बुखार से उसका शरीर तप रहा था। बरसात बंद होने का नाम नहीं ले रही। सुमित्रा की समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। मजदूरों की कोई सुध भी लेने वाला नहीं। सुमित्रा को कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। वह भागकर थोड़ी ही दूरी पर रह रही कम्मो के घर गयी। दरवाजा खटखटाया।

कम्मो ने दरवाजा खोला और बोली, 'अरे सुमित्रा क्या हुआ?' सुमित्रा ने रोते हुए कहा, 'घर में खाने को कुछ नहीं है। पैसे भी नहीं हैं कि कुछ खरीद सकूं। छोटे की तबियत बहुत खराब है। मेरी थोड़ी मदद कर दे।'

'मेरे पास भी एक दो दिन की व्यवस्था है। अगर मैं तुझे दे दूंगी तो मेरा परिवार क्या करेगा'। साफ मना कर दिया कम्मो ने।

'...तो मैं क्या करूँ बताओ, कोई काम ही दिलवा दो', लगभग हाथ जोड़ते हुए सुमित्रा ने कहा।

'इस बरसात में हम मजदूरों को कौन काम देगा। ...हां, एक उपाय है, अगर तू कर सके तो बोल।'

'कौन सा उपाय' सुमित्रा बोली?

'वो जो छोटे ठेकेदार साहब हैं, यहीं पास ही उनका घर है। उनके घर जा, वो जो कहे वो कर देना बस। समझो तेरा दुख दूर हो गया।'

'क्या करना होगा मुझे'-सुमित्रा ने पूछा।

'अब इतनी भोली भी मत बन', कम्मो ने क्रोधित होते हुए कहा।

'मैं सही में नहीं समझी कम्मो। तू साफ-साफ बता।'

'उनकी इच्छा पूरी कर देना बस, वो तुम्हारी गरीबी दूर कर देंगे।'

'ये क्या कह रही है तू, मदद नहीं कर सकती तो गलत सलाह तो मत दे', लगभग चीखते हुए सुमित्रा ने कहा और वहां से भागकर अपने घर आ गयी।

बिट्टो ने पूछा- 'अम्मा कुछ खाने को लायी क्या? दीनू और छोटे बहुत भूखे हैं।'

'जी, मुझे कम्मो ने भेजा है, मेरे पास खाने को अन्न का एक दाना नहीं है। बेटे की तबियत बहुत खराब है। तीन दिन से हम लोगों ने कुछ भी नहीं खाया है। आप मेरी मदद कर दो। इसके बदले में आप चाहे मेरे साथ कुछ भी कर लो।' एक सांस में ही इतना कहकर सुमित्रा ने अपनी साड़ी उतारनी शुरू कर दी।
'अरे ये क्या कर रही हो ? तुम पागल हो गयी हो क्या? ठेकेदार साहब चिल्लाए।

सुमित्रा ने अपना सिर न में हिला दिया। क्या करें क्या न करे। इसी उधेड़बुन में शाम हो गयी। वह किराने की दुकान पर कुछ सामान लेने गयी। पिछला उधार होने के कारण उसने भी भगा दिया। रात हो गयी किसी ने मदद नहीं की। बच्चे भूख से बिलख रहे थे। उसने खुद और बिट्टो ने दो दिन से कुछ नहीं खाया था। बरसात रुकने का नाम नहीं ले रही थी। सुमित्रा स्वाभिमानी औरत थी, जिस्म का सौदा उसे मंजूर नहीं था।

लेकिन छोटे की बीमारी, भूख, टपकता तिरपाल आज उसे अपने स्वाभिमान से समझौता करने को मजबूर कर रहा था। उसका मन उसे धिक्कार रहा था कि तू कैसी मां है, जो बच्चों की भूख भी नहीं मिटा सकती। अचानक आंसू पोछकर वह उठी और बिट्टो से बोली, 'बिट्टो तू छोटे का ख्याल रख , मैं कुछ खाने को लेकर आती हूं।

'अम्मा जल्दी आना, बहुत भूख लगी है।'

सुमित्रा भारी मन से कम्मो के बताए पते पर चल दी। थोड़ी ही देर में वह उस घर के सामने खड़ी थी। दरवाजा खटखटाया तो एक बूढ़े ने दरवाजा खोला और पूछा- 'क्या हुआ, किससे मिलना है?'

'जी बाबू जी से', सुमित्रा बोली।

'अंदर आओ, तुम तो पूरी तरह भीग गयी हो। ये लो अंगौछा, इससे सूखा लो खुद को।'

अंदर से आवाज आई, - 'कौन है काका?'

'आपसे मिलने आयी है ,भेज दूं' बूढ़े काका ने कहा।

'भेज दो।'

'जाओ बिटिया।'

बिटिया शब्द सुनकर सुमित्रा को कुछ अपनापन महसूस हुआ। सकुचाते हुए सुमित्रा अंदर चली गयी। एक बड़े से हाल में चश्मा लगाए ठेकेदार साहब बैठे थे। उन्होंने पूछा, 'कौन हो तुम और हमसे क्या काम है?

'जी, मुझे कम्मो ने भेजा है, मेरे पास खाने को अन्न का एक दाना नहीं है। बेटे की तबियत बहुत खराब है। तीन दिन से हम लोगों ने कुछ भी नहीं खाया है। आप मेरी मदद कर दो। इसके बदले में आप चाहे मेरे साथ कुछ भी कर लो।' एक सांस में ही इतना कहकर सुमित्रा ने अपनी साड़ी उतारनी शुरू कर दी।

'अरे ये क्या कर रही हो ? तुम पागल हो गयी हो क्या? ठेकेदार साहब चिल्लाए।

'बाबू जी मेरे पास आपको देने के लिए इसके अलावा कुछ भी नहीं है।'सुमित्रा बोली।

'पहले अपनी साड़ी पहनो' - ठेकेदार साहब बोले। 'तुमको किसने ये सब बताया?'

'जी कम्मो ने।' सुमित्रा बोली।

'किसी की मजबूरी का फायदा उठाना मेरे संस्कारों में नहीं है। मैं कोई ऐसा वैसा आदमी नहीं हूँ। तुमको किसी ने गलत जानकारी दी है।' फिर उन्होंने काका को आवाज दी।

'जी, साहब जी।'काका बोले।

'काका, इसको कुछ खाने को दे दो और ये कुछ बुखार की दवाइयां पड़ी है वो भी दे दो।' काका ने एक बड़े टिफिन में ढेर सारा खाना और दवाइयां सुमित्रा को दीं।

सुमित्रा की समझ में नहीं आ रहा था कि कम्मो ने जिस आदमी के विषय में क्या बताया था, वह तो देवता निकले।

खाना लेकर सुमित्रा जैसे ही निकलने लगी। बाबू जी ने कहा- 'रुको।' एकदम से सहम गयी सुमित्रा। पास आकर बाबू जी बोले, 'अपना नाम तो तुमने बताया ही नहीं।'

'जी.. सुमित्रा।'

'देखो सुमित्रा, मेरे घर में मैं और काका ही रहते हैं। काका भी अब बूढ़े हो गए हैं। इनसे घर का काम ठीक से नहीं हो पाता। अगर तुम्हारा मन हो तो मेरे घर का काम कर दिया करो। बदले में तुम्हे खाना और महीने में पैसा मिल जाएगा। और पीछे एक कमरा खाली है उसमें तुम अपने बच्चों के साथ रह भी सकती हो। सुमित्रा ने सहमति से सिर हिला दिया और अपने घर की ओर चलते-चलते सोचने लगी कि आज भी इस दुनिया में इंसानियत जिंदा है।

कविता

चीनू अग्रवाल

ज्ञान का भंडार

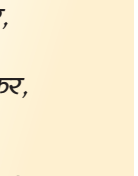

नन्हे नन्हे कदमों को,
दुनिया की दौड़ में दौड़ना सीखते हैं।
मासूम से मन को,
दुनियादारी समझते हैं।

छोटे-छोटे ख्वाबों को,
हकीकत में बदलना सिखाते हैं।
हर चीज का बोध कराके,
ज्ञान को आगे बढ़ाते हैं।

तरह-तरह की मुश्किलों से,
जिंदगी में लड़ना सिखाते हैं।
मन अंधेरे को दूर करके,
जीवन को चमकाते हैं।

छोटे-छोटे पाठ पढ़कर,
बड़े-बड़े डॉक्टर, इंजीनियर भी बनाते हैं,
ज्ञान को बांट कर,
देश को श्रेष्ठ बनाते हैं।

सही गलत का फर्क बता कर,
राहों को सरल बनाते हैं।
बंद हो जाते जब सब दरवाजे,
नया रास्ता दिखलाते हैं।

कुम्हार मिट्टी को आकार देकर,
जैसे घड़ा बनाते हैं।
वैसे ही नादान मन को ज्ञान देकर,
अच्छा इंसान बनते हैं।

आने वाले कल की चुनौतियों के लिए,
तैयार यह करवाते हैं।
क्या करना है जीवन में आगे,
यह हमें सिखलाते हैं।

ज्ञान का भंडार ये हैं,
अज्ञानता का अंधेरा हटाते हैं,
हौंसले बुलंद बनाते हैं।
तभी तो यह शिक्षक ये कहलाते हैं।

क्षमा उर्मिला

अंधेरों की परवरिश

क्या ये अंधेरों की परवरिश है
जो चाँद इतना चमक रहा है

कोई तो रिश्ता है रोशनी से
अंधेरा सदियों से संग खड़ा है

जो एक दिन छू लिया था तुमने
वो पतझड़ों में शजर हरा है

हम अपनी धड़कन से थक गये
है सांसें छोटी या दिन बड़ा है

उदासियां क्यूँ हैं हर ख़ुशी संग
दिल लम्हे लम्हे से लड़ रहा है

सुना है मैदाने जिंदगी में
कभी ख़ुशी का शहर रहा है

दिया था चुपके से मुठ्ठियों में
मेरा भरोसा कहाँ गिरा है

बड़ा है तन में, अड़ा है मन में
ये दर्द थोड़ा सा सरफिरा है

मगर प्रभू साथ चल रहे है
ये आसमानों का फैसला है

अगर में बिखरी हर एक ज़र्रा
स्नेह के रंग से ही भरा है

संजय सिंह चौहान

राजू की सच्ची दीपावली

बहुत समय पहले, एक छोटे से गाँव में नन्हा राजू अपने माता-पिता के साथ रहता था। राजू को त्योहारों का बहुत शौक था, और जब दीपावली का समय आया, तो वह बहुत उत्साहित हो गया। हर वर्ष की तरह, इस बार भी गाँव में दीपावली की तैयारी बड़े जोश और धूमधाम से हो रही थी। बाजार रंग-बिरंगी रोशनी, मिठाइयों, और खिलौनों से सजा हुआ था। हर घर के बाहर दीयों की कतारें लगाने की तैयारी हो रही थी, और लोग नए कपड़े खरीदने के लिए उत्साहित थे। राजू के पिता ने उसे बताया, ₹दीपावली अंधकार पर प्रकाश की विजय का त्योहार है। यह भगवान राम के अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है, जब उन्होंने रावण को पराजित किया था और चौदह वर्षों के वनवास के बाद लौटे थे, उस दिन पूरे अयोध्या नगरी को दीयों से सजाया गया था, और तभी से दीपावली का त्योहार हर वर्ष मनाया जाता है। राजू को यह कहानी बहुत पसंद आई, और उसने सोचा, ₹अगर मैं भी रोशनी फैला सकूं और अंधकार को दूर कर सकूं, तो यह कितना अच्छा होगा! राजू के घर के पास एक निर्धन परिवार भी रहता था, जिनके पास इतने पैसे नहीं थे कि वे दीपावली की तैयारी कर सकें। उस परिवार के बच्चे भी राजू की तरह दीपावली मनाना चाहते थे, लेकिन उनके पास न नए कपड़े थे, न मिठाइयाँ और न ही दीये। राजू ने यह देखा और उसे बहुत दुख हुआ। वह सोचने लगा कि अगर यह त्योहार खुशियों और रोशनी का है, तो इन्हें क्यों अंधकार में रहना पड़े? उसने अपनी गुल्लक तोड़ी, जिसमें उसने बहुत पैसे बचा रखे थे। राजू ने अपने माता-पिता से कहा, ₹मैं चाहता हूँ कि इस बार हम इस निर्धन परिवार के साथ दीपावली मनाएँ। राजू के माता-पिता उसकी इस सोच से बहुत खुश हुए। वे बाजार गए और उस परिवार के लिए नए कपड़े, मिठाइयाँ, और ढेर सारे दीये खरीद कर लाए। जब दीपावली की रात आई, राजू ने अपने माता-पिता के साथ उस परिवार के घर के बाहर दीपक जलाए। उसने बच्चों को नए कपड़े पहनाए और सबने मिलकर मिठाइयाँ खाईं। वह रात सचमुच अद्भुत थी। चारों ओर दीयों की रौशनी फैल चुकी थी और बच्चे खुशी से उछल रहे थे। राजू को उस रात बहुत खुशी हुई, क्योंकि उसने महसूस किया कि सच्ची दीपावली तभी होती है जब हम दूसरों के जीवन में भी खुशियों और रोशनी का दीपक जलाएं। इस तरह, उस गाँव में दीपावली का त्योहार हर वर्ष की तुलना में इस बार और भी विशेष बन गया। सबने मिलकर दीप जलाए, मिठाइयाँ बाँटी, और खुशियाँ मनाईं। और राजू ने एक बड़ी सीख सीखी—दीपावली का वास्तविक उद्देश्य सिर्फ अपने घर को सजाना नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में भी प्रकाश और प्रसन्नता लाना है। इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि दीपावली का पर्व केवल अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का नहीं है, बल्कि यह प्रसन्नता और प्रेम बांटने का भी त्योहार है।

साहित्यकार कमलेश भारतीय हिंदी साहित्य के पाठकों और नवलेखकों को संदेश देते हैं कि दूसरों के श्रेष्ठ साहित्य को खूब पढ़िए। जैसे खेत में खाद डालते हैं ऐसे काम करता है यह श्रेष्ठ साहित्य पढ़ना। नए से नए रचनाकार को भी देखिए कि वह कैसे कहानी बुनता है। वह ख़ुद प्रतिदिन सुबह एक अच्छी रचना से दिन शुरू करते हैं। जैसे लोग गीता का अध्याय पढ़ते हैं, वह भी कोई एक अच्छी रचना पढ़ते हैं।

साक्षात्कार

डॉ. तबस्सुम जहां

संवेदना से याद की जाती हैं कहानियां : कमलेश भारतीय

हरियाणा साहित्य अकादमी में उपाध्यक्ष के पद पर रहे स्वतंत्र पत्रकार के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले बेहद जिंदादिल शख्सियत कमलेश भारतीय साहित्य के क्षेत्र में भी बेहद लोकप्रिय नाम हैं। कमलेश भारतीय को हाल ही में नोएडा में आयोजित मारवाह साहित्य समारोह में साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए साहित्य रत्न सम्मान प्रदान किया गया। कमलेश भारतीय मूलतः पंजाब के नवांशहर के रहने वाले हैं, पर पिछले 27 साल से हिसार में रह रहे हैं। कमलेश भारतीय महज सत्रह वर्ष की आयु में शिक्षक से, प्राध्यापक एवं प्राचार्य के पदों पर अपनी सेवाएं देने के बाद दैनिक ट्रिब्यून चंडीगढ़ में मुख्य संवाददाता रहे। उसके बाद अब तक इनके दस कथा संग्रह हिंदी साहित्य की धरोहर बन चुके हैं।

पंजाबी, उर्दू, अंग्रेजी, मराठी, डोंगरी, बंगला आदि भाषाओं में इनकी रचनाएं अनुवादित हो चुकी हैं। आपकी कृति 'एक संवाददाता की डायरी' को केन्द्रीय हिंदी निदेशालय नई दिल्ली द्वारा पुरस्कृत किया गया। 28 सितंबर को रोहतक में हुए हाइफ़ा के वार्षिक समारोह में कमलेश भारतीय को भी सम्मनित किया गया। उसी दौरान एक विस्तृत चर्चा में सोशल मीडिया और साहित्य विषय पर उन्होंने खुलकर अपने विचार रखे। उन्होंने चिंता प्रकट कि आजकल सोशल मीडिया आने से हर तीसरा शख्स कवि, कहानीकार, ग़ज़लकार बन गया है। यह बहुत दुखद है और साहित्य के लिए सही दौर नहीं है। रात रात भर जाग कर पढ़ना, लिखना, रचना को संवारना यह सब जैसे बीते कल की बातें हो गई हैं। जब उन्होंने लिखना शुरू किया था तब वह पंजाब में थे और हिंदी टाइप की सुविधा भी नहीं थी। हाथ से कितनी बार लिखकर संशोधन करते और फिर इतना सुंदर लिखते कि टाइप किए हुए की बजाय उनकी रचना पढ़ी जाए। वो बताते हैं कि आज का सोशल मीडिया का दौर ऐसा है कि दो चार पंक्तियां लिखीं और लाइक्स की इंतज़ार शुरू। हमें पत्रों का इंतज़ार रहता था, जो संभाले जा सकते थे। सोशल मीडिया सिर्फ एक मंच है, जिससे साहित्य का प्रचार प्रसार तो हो सकता है लेकिन यह दिखावे का और आत्ममुग्धता का मंच ज्यादा है। इस आत्ममुग्धता से बचने की जरूरत है। प्रचार के लिए, साहित्य के प्रमोशन तक रखा जाना चाहिए न कि इससे साहित्य से दूर तक जुड़ा रहा जा सकता है। आज लोग छोटी कहानियों और लघुकथा में फ़र्क नहीं कर पाते।

इनके बीच विभाजक रेखा खींचते हुए कमलेश भारतीय बताते हैं कि बिजली की कौंध की तरह अचानक लघुकथा आंखों में चमकती है और इसे जानबूझकर विस्तार नहीं दिया जा सकता। जबकि कहानी आकार में छोटी हो सकती है पर कहानी ही होती है। हिंदी साहित्य में अलग-अलग 'वाद' की दुकाने खुल गई हैं और हरेक साहित्यकार मेरी शर्ट उसकी शर्ट से ज्यादा सफ़ेद वाली स्थिति में रहता है। इस बारे में कमलेश भारतीय का मानना है कि 'वाद' शुरू से चलते आए हैं। आंदोलन चलते आए हैं। नई कहानी आंदोलन, समांतर कहानी, सचेतन कहानी, जनवादी कहानी आंदोलन लेकिन कहानियाँ वही चर्चित रहीं जो मानवीय संवेदना को छू पाईं। कमलेश्वर की राजा निरबंसिया, भीष्म साहनी की चीफ की दावत, अज्ञेय की रोज़ (ग्रैंग्रीन), धर्मवीर भारती की 'बंद गली का आखिरी मकान' , मोहन राकेश की 'मलबे का मालिक', ऊषा प्रियंवदा की वापसी, निर्मल वर्मा की दूसरी दुनिया और अन्य रचनाकारों की अनेक कहानियों को किसी वाद के साथ याद नहीं किया जाता बल्कि संवेदनशील होने के चलते याद किया जाता है। वाद को कोई याद नहीं रखता, पाठक कहानी को याद रखता है। तकनीकी क्रांति ने समाज को किताबों से दूर कर दिया है।

दूसरे प्रकाशक तानाशाह हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में लोग फेसबुक आदि पर अपनी रचनाएं डालते हैं या ऑनलाइन साहित्यिक चर्चाएं हो रही हैं। ऐसे में साहित्य की दिशा के संदर्भ में कमलेश भारतीय बताते हैं कि छपे हुए साहित्य से नई पीढ़ी दूर होती जा रही है। कमलेश भारतीय का कहना है-

बस, इतना ही करना है और यह याद रखना तुम ही हो एक मुसाफिर यह गुमान मत रखना अपने पांव तले कभी आसमान मत रखना।

प्रकाशित पुस्तकें

कमलेश भारतीय की 18 किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनके कथा संग्रह महक से ऊपर, मस्तराम ज़िंदाबाद, इस बार, मां और मिट्टी, ऐसे थे तुम, जादूगरनी, शो विंडो की गुड़िया, एक संवाददाता की डायरी, दरवाजा कौन खोलेगा, इतनी सी बात, मैं नहीं जानता, नई प्रेम कहानी, सूनी मांग का गीत के अलावा यादों की धरोहर (साहित्यकारों से साक्षात्कार), मां और मिट्टी कथा संग्रह का नेपाली में अनुवाद, इतनी सी बात का पंजाबी में अनुवाद, लोग भूल जाते हैं (काव्य संग्रह), तथा 'मैं नहीं जानता' प्रकाशित हो चुके हैं।

कमलेश भारतीय

पुरस्कार व सम्मान

कमलेश भारतीय को 1992 में कहानी लेखन महाविद्यालय, अम्बाला छावनी द्वारा श्रेष्ठ लेखन पुरस्कार, 1999 में राज्यकवि स्वर्गीय परमानंद स्मृति सम्मान, 2008 में कैथल की साहित्य सभा की ओर से धीरज त्रिखा स्मृति पत्रकारिता सम्मान, फगवाड़ा में पंजाब हिंदी साहित्य अकादमी की ओर से स्वर्गीय डॉ. चंद्रशेखर स्मृति सम्मान, हरियाणा साहित्य अकादमी की ओर से 2010 में देशबंधु गुप्त साहित्यिक पत्रकारिता पुरस्कार आदि से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : कमलेश भारतीय
जन्मतिथि : 17 जनवरी, 1952
जन्म स्थान : होशियारपुर (पंजाब)
शिक्षा : एमए (हिंदी) , बीएड, प्रभाकर
संप्रति : प्राचार्य, लेखक, पत्रकार

भीतर की शक्ति : नरेंद्र मोदी की नेतृत्व विरासत

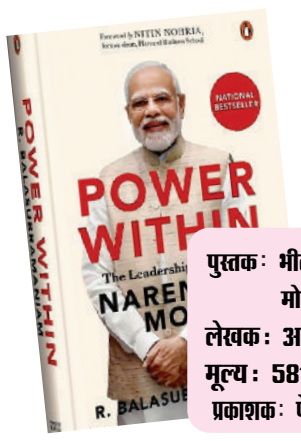

पुस्तक : भीतर की शक्ति : नरेंद्र मोदी की नेतृत्व विरासत
लेखक : आर. बालासुब्रमण्यम
मूल्य : 581 रुपये
प्रकाशक : पेंगुइन, भारत

पुस्तक समीक्षा

शिवेश प्रताप

आज इस वैश्वीकरण के युग में हम एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं, जहां हमें यह एहसास होता है कि दुनिया के सामने मौजूद बहुस्तरीय लक्ष्यों, संकटों और समाजों में बढ़ती ध्रुवीकरण की स्थिति से निपटने के लिए केवल सत्ता आधारित नेतृत्व मॉडल ही पर्याप्त नहीं हैं। आज के दौर में हमें ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो न केवल इतिहास से सीखे, बल्कि उसमें स्वीकार्यता की क्षमता, व्यवहारिकता, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और आध्यात्मिक परिपक्वता का समावेश हो। इन सभी गुणों से युक्त व्यक्तित्व को हम प्रबुद्ध नेतृत्व कह सकते हैं। हम सभी भाग्यशाली हैं कि देश को 2014 में नरेंद्र मोदी के रूप में इन सभी गुणों से युक्त एक ऐसा नेता मिला जिसने तमाम प्रतिकूलताओं से घिरे वातावरण में भी आशा आकांक्षाओं का संचार इस देश में किया। आर. बालासुब्रमण्यम द्वारा लिखित 'Power Within: The Leadership Legacy of NarendraModi' पुस्तक नरेंद्र मोदी के इस अनूठे नेतृत्व को बारीकी से समझने और परखने का एक अवसर प्रदान करती है। पूरी पुस्तक में संस्कृत श्लोकों एवं धर्म शास्त्रों के विचारों को बड़े सुन्दर ढंग से मोदी जी के जीवन प्रसंगों से जोड़ा गया है। इस पुस्तक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह मोदी जी के नेतृत्व को भारतीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं में निहित मानती है। लेखक ने इस पुस्तक में बताया है कि मोदी का नेतृत्व केवल भौतिक सफलता पर नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता और कर्तव्य की भावना पर भी आधारित है। योग, ध्यान और भगवद गीता के शिक्षाओं के प्रति उनकी आस्था ने उनके शासन को आकार दिया है। वे एक कर्मयोगी के रूप में सेवा करते हैं, जो निःस्वार्थ भाव से, ईमानदारी और करुणा के साथ कार्य करते हैं, और न केवल मानव समाज अपितु सभी जीवों का आपसी जुड़ाव को महत्व देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व आधुनिक चुनौतियों का समाधान करते हुए भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का प्रतीक है। जो न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के लिए एक शांति और सुख का मार्ग प्रस्तुत करती है। ऐसे अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों और समय में, मोदी का नेतृत्व एक आशा की दैदीप्यमान सूर्य की तरह चमकता है, जो कोटि कोटि भारतीयों को और विश्व के अन्यान्य लोगों को एक बेहतर और अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य के लिए प्रेरित करता है। यह पुस्तक मोदी जी के नेतृत्व की विरासत को समझने और उसे सहेजने करने का एक सार्थक प्रयास है।

'कितने में लगे' नहीं 'आपके गांव में कितने लगे' की चर्चा, अब कोचिंग सेंटर की होगी भरमार

- शिक्षा का हब बनने से दक्षिणी हरियाणा को मिली सर्वाधिक नौकरी
- दिवाली से पहले सीएम नायब सैनी के नाम पर जिला महेंद्रगढ़ बना रहा दिवाली, बिना खर्ची पर्ची नौकरी मिलने से गरीब तबके में जगी आस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

दक्षिणी हरियाणा खासतौर पर महेंद्रगढ़ जिला में बिना खर्ची पर्ची के नौकरी मिलने की चर्चा इन दिनो सोशल मीडिया पर लगातार जारी है। सोशल मीडिया पर अब लोग बिना किसी राजनीति पार्टी का नाम लिए यह पोस्ट करने लगे है कि पहले 'कितने में लगे' नौकरी की चर्चा होती थी और अब 'आपके गांव में कितने लगे' की चर्चा हो रही है। महेंद्रगढ़ क्षेत्र के एक ही गांव झुक में 14 नौकरी मिलने की चर्चा जोरों पर है। बिना खर्ची पर्ची के मिली इन नौकरियों के बाद अब युवाओं में भी विश्वास जगा है और कोचिंग सेंटरों की तरफ रूख शुरू कर दिया है। पहले भी कोचिंग सेंटर बहुत थे, अब शिक्षा जगत से जुड़े लोग नए और आधुनिक कोचिंग सेंटर खोलने की तैयारियों में जुट गए है।

महेंद्रगए जिला शिक्षा का बना हब

महेंद्रगढ़ जिला का कुल क्षेत्रफल 1939.6 वर्ग किलोमीटर हैं, जिसमें से 1916.9 वर्ग किलोमीटर ग्रामीण और 22.7 वर्ग किलोमीटर शहरी क्षेत्र में आता है। 2011 की जनगणना के अनुसार महेन्द्रगढ़ जिले की जनसंख्या 9,21,680 हैं, इस समय 11 लाख से अधिक जनसंख्या का अनुमान है। गांव 374 है। सरकारी कॉलेज 11 है। जो नारनौल, महेंद्रगढ़, अटेली व नांगल चौधरी में दो-दो और कनीना, सतनाली व कृष्णनगर में एक-एक कॉलेज है। बीएड कॉलेज, डीआईईटी, पॉलीटिक्नीकल और सेंट्रल यूनिवर्सिटी है। सरकारी आईटीआई 11 व 15 निजी आईटीआई है। सरकारी स्कूलों की बात करें तो 450 प्राइमरी, 50 हाई, 94 सीनियर सेकेंडरी स्कूल है। वहीं करीब 240 प्राइवेट स्कूल है। 2011 की जनगणना के अनुसार जिला स्तर साक्षरता दर 84.80 प्रतिशत है। जिनमें पुरूष साक्षरता दर 94 प्रतिशत और महिला साक्षरता दर : 75.43 प्रतिशत है। इन 13 सालों में इस साक्षरता दर में भी बढ़ोतरी हुई है। इनके अलावा अनगिनत कोचिंग सेंटर जिला में चल रहे है। बहुत से बच्चे तो ऐसे है जो गुरुग्राम, दिल्ली, सीकर, कोटा जैसे बड़े शहरों में जाकर कोचिंग ले रहे है। यहीं कारण है कि शिक्षा से जुड़े किसी भी निजी या सरकारी महकमों का परिणाम सामने आता है तो पूरे हरियाणा में महेंद्रगढ़ जिला अपनी अलग ही छाप छोड़ रहा है। इसका असर अब पूरे दक्षिणी हरियाणा पर पड़ने लगा है।

क्या कहते है डीईओ

डीईओ संतोष चौहान ने बताया कि सभी कोचिंग संस्थानों को दिशा निर्देश जारी किए है। कोचिंग संस्थान उचित पंजीकरण करवाकर ही कोचिंग संस्थान चलाएंगे। सभी कोचिंग संस्थान पंजीकरण के समय जारी किए गए दिशा निर्देशों का दृढता से पालन करेंगे। जिसमें कि भवन सुरक्षा, छात्र सुरक्षा तथा अग्नि सुरक्षा इत्यादि मानकों का पालन करना सुनिश्चित करेंगे। पहले भी सभी कोचिंग संस्थानों को निर्देश दिए गए है कोई भी कोचिंग संस्थान विद्यालय समय में किसी भी विद्यार्थी को उनके विद्यालय से वंचित नहीं करेंगे।

यह है हरियाणा निजी कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण और विनियमन विधेयक-2024

फरवरी-2024 में हरियाणा निजी कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण और विनियमन विधेयक-2024 के तहत निजी कोचिंग संस्थान से अभिप्राय है, किसी एकल परिसर में कोई निजी कोचिंग संस्थान जिसमें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अध्ययन कार्यक्रम की व्यवस्था करवाने वाले किसी व्यक्ति या व्यक्तियों की संस्था, सोसाइटी या न्यास या कंपनी द्वारा स्थापित, संचालित या प्रशासित ट्यूशन सेंटर भी शामिल हैं, किंतु इनमें प्रतिदिन 50 छात्रों तक व्यक्तिक गृह ट्यूशन और केंद्रीय सरकार, राज्य सरकार द्वारा या किसी अन्य विनियामक निकाय द्वारा मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों द्वारा संचालित नियमित पाठ्यक्रम शामिल नहीं है। प्रत्येक जिला स्तर पर निजी कोचिंग संस्थान को पंजीकृत और विनियमित करने के लिए कमेटी होगी। जिसमें उपायुक्त अध्यक्ष है। वहीं पुलिस अधीक्षक, जिला नगर आयुक्त, जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी व जिला शिक्षा अधिकारी सदस्य है। वहीं अध्यक्ष की ओर से एक लेखा अधिकारी, एक राजकीय महाविद्यालय का प्रधानाचार्य व निजी कोचिंग संस्थानों में से ड्रा ऑफ लॉटस द्वारा चुने जाने वाले दो प्रतिनिधि भी सदस्य होंगे। जिला स्तर पर शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का गठन करना है। किसी निजी कोचिंग संस्थन द्वारा किसी विशेष परीक्षा में चयनित छात्रों की संख्या सहित भ्रामक विज्ञापनों और मिथ्या दावों के अनाचार पर अंकुश लगाना होगा। हरियाणा के भीतर अपनी शाखा रखने वाले निजी कोचिंग संस्थन को ऐसी शाखा के लिए अलग से पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा। डीईओ को मांग पत्र देते वक्त एसोसिएशन से जुड़े राजकुमार यादव एडवोकेट, तेजवीर यादव, कमल संघी, सियाराम यादव व अतरसिंह यादव मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

महिला घर से अचानक लापता, केस दर्ज

महेंद्रगढ़। सदर थाने के एक गांव से संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला घर से लापता हो गई। वह अपने बच्चों को पति के पास छोड़कर चली। महिला के पति ने पुलिस थाने में शिकायत देकर उसकी तलाश करने की मांग की हैं। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि वह मेहनत मजदूरी का काम करता है। उसकी शादी 2019 में हुई थी। 2022 में उसके एक लड़का हुआ। उसकी पत्नी 13 अक्टूबर को अपनी बुआ और फूफा के साथ आई थी।

घर से दुकान जाने के निकला व्यक्ति लापता

कनीना। कनीना में घर से दुकान जाने के लिए निकला एक व्यक्ति लापता हो गया। इस बारे में योगेंद्र ने शिकायत में बताया कि उसका भाई वीरेंद्र 18 अक्टूबर को घर से दुकान जाने के लिए निकला था, जो न ही दुकान पर पहुंचा और न ही घर वापस लौटकर आया। चिंतित परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। उसका मोबाइल फोन भी बंद है। पुलिस ने केस दर्ज कर लापता व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी है।

धोखाधड़ी मामले में महिला गिरफ्तार

नारनौल। धोखाधड़ी कर गैस एजेंसी में सेल के रुपयों का गबन करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना नांगल चौधरी पुलिस ने एक महिला आरोपिता को गिरफ्तार किया है। जिससे मामले में पूछताछ की गई। मामले में मुख्य आरोपित ललित वासी चैकमलिकपुर की ढाणी थाना नांगल चौधरी को पुलिस ने पहले गिरफ्तार कर लिया था, जिससे पूछताछ में पुलिस ने एक लाख रुपये बरामद किए थे। जांच में पुलिस ने पता लगाया कि आरोपित ने गैस एजेंसी से धोखाधड़ी कर गबन किए रुपये ब्याज पर दे दिए थे। शिकायतकर्ता सुरेन्द्र कुमार वासी गांव राता खुर्द अटेली ने थाना नांगल चौधरी में धोखाधड़ी कर गबन करने की शिकायत दर्ज कराई।

मकान का ताला तोड़ नकदी और आभूषण किए चोरी

कनीना। सर्दी का मौसम शुरू होने से पूर्व बढ़ती चोरी की घटनाओं से आम आदमी सहमा हुआ है। जिसे लेकर माना जा रहा है कि चोरों में पुलिस प्रशासन का भय नहीं रहा है। खंड के गांव खेड़ी तलवाना में एक मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने मोबाइल फोन व 65 हजार रुपये की नकदी सहित आभूषण चोरी कर लिए। खेड़ी तलवाना का परिवार गुरुग्राम में आयोजित सामाजिक समारोह में हिस्सा लेने गया था, पीछे से चोरों ने वारदात को अंजाम दे दिया।

मेघोत बींजा के सुनीत यादव बने अधिकारी

नांगल चौधरी। मेघोत बींजा निवासी सुनीत कुमार ने यूपीएससी की परीक्षा में छठी रैंक लेकर प्रॉसिक्यूटर अधिकारी बनकर गांव का गौरव बढ़ाया है। मेधावी युवा को सम्मानित करने के लिए ग्रामीणों ने सम्मान समारोह करने का निर्णय लिया है। परिजन बस्तीराम यादव ने बताया कि सुनीत यादव ने प्रारंभिक पढ़ाई संत ठाकूर दास स्कूल पांचनोता से की थी। वर्तमान में प्रवर्तन निदेशालय में लीगल सलाहकार के पद पर तैनात हैं। 2023 में यूपीएससी ने गंभीर फ्रॉड जांच अधिकारी की पोस्ट निकाली थी।

जिले के छह एसटीपी से साबी बैराज में रोजाना पहुंच रहा लाखों लीटर प्रदूषित पानी

साबी बैराज में छोड़ जा रहे दूषित पानी को लेकर एनजीटी कोर्ट में सुनवाई आज

आसपास के गांवों के भूमिगत जलस्तर हुआ खराब, ग्रामीणों को गंभीर बिमारियां होने का डर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। साबी बैराज मे जमा प्रदूषित पानी। फोटो : हरिभूमि

दिल्ली-जयपुर हाइवे स्थिती साबी बैराज में लंबे समय से जिले के सरकारी विभागों की ओर से छोड़े जा रहे प्रदूषित पानी की वजह से आसपास के दर्जनों गांवों का भूमिगत जलस्तर खराब होने से पीने के पानी का संकट हो गया है।

इस समस्या को लेकर आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानि एनजीटी ने याचिका दायर की थी। एनजीटी ने याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड यानि सीपीसीबी पर कड़ा रुख अपनाते हुए सख्त चेतावनी दी थी। एनजीटी ने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स यानि एसटीपी की जांच रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत न करने पर सीपीसीबी को फटकार भी लगाई तथा सुनवाई के लिए 21 अक्टूबर की तारीख निर्धारित की गई। अब सोमवार को एनजीटी कोर्ट में इसकी सुनवाई की जाएगी।

इन एसटीपी की होनी थी जांच

एनजीटी ने सीपीसीबी को एसटीपी की जांच के निर्देश दिए थे, जिनमें 9.5 एमएलडी एसटीपी जनस्वास्थ्य विभाग गांव खरखड़ा, 5 एमएलडी एसटीपी एचएसवीपी धारूहेड़ा, 16 एमएलडी एसटीपी जनस्वास्थ्य विभाग, नासियाजी रोड रेवाड़ी, 8 एमएलडी एसटीपी जनस्वास्थ्य विभाग, नासियाजी रोड रेवाड़ी, 6.5 एमएलडी एसटीपी जनस्वास्थ्य विभाग गांव कालूवास व 3.5 एमएलडी एसटीपी जनस्वास्थ्य विभाग बावल शामिल है।

पेयजल की गुणवत्ता पर उठे थे सवाल

साबी बैराज का प्रदूषित पानी आसपास के दर्जनों गांवों के हजारों ग्रामीणों के लिए जानलेवा बन गया है।

पीने के पानी की जांच रिपोर्ट में गांव डूंगरवास, मसानी, खलियावास, रसगण, खरखड़ा, निखरी, ततारपुर खालसा और भटसाना गांवों में पेयजल की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े किए। गांव डूंगरवास, मसानी, खलियावास, और रसगण के पानी में टीडीएस और कुल क्षारीयता की मात्रा वांछनीय सीमाओं से कहीं अधिक पाई गई है। खरखड़ा और निखरी गांवों के हैंडपंपों के पानी में मैग्नीशियम मात्रा 30 पीपीएम से अधिक पाई गई, जबकि रसगण के पानी में भी यह स्तर सुरक्षित सीमा से अधिक है। भटसाना और निखरी के हैंडपंपों के पानी में लौह की मात्रा 0.3 पीपीएम से अधिक पाई गई है। भटसाना के हैंडपंप और मसानी तथा खलियावास के पानी में फ्लोराइड की मात्रा 1.0 पीपीएम से अधिक पाई गई है। इन गांवों के लोग अनजाने में सालों से इस प्रदूषित पानी का सेवन कर रहे हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

सामाजिक कार्यकर्ता ने प्रदूषण के खिलाफ उठाई आवाज की

सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश यादव ने साबी बैराज में छोड़े जा रहे दूषित पानी के कारण हो रहे पर्यावरणीय और स्वास्थ्य समस्याओं की जिला प्रशासन से लेकर राज्य सरकार तक आवाज उठाई तथा मामले को राष्ट्रीय हरित अधिकरण यानि एनजीटी के समक्ष प्रस्तुत किया तथा प्रमाणों के साथ यह साबित किया कि कई सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स से निकला पानी बिना उपचारित हुए सीधे साबी बैराज में छोड़ा जा रहा है। इस दूषित पानी से न केवल स्थानीय जलस्रोत प्रदूषित हो रहे थे, बल्कि आस-पास के पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा था। हाल ही में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से एनजीटी को सौंपी गई रिपोर्ट ने प्रकाश यादव के प्रयासों को मजबूत आधार प्रदान किया। रिपोर्ट में जिले के छह एसटीपी प्रदूषण नियंत्रण के मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं तथा पानी बिना उचित उपचार के साबी बैराज में छोड़ा जा रहा है।

धीरज यादव का हरियाणा ज्यूडिशियल सर्विस में जज के पद पर चयन

धीरज यादव।

रेवाड़ी। जिला न्यायालय में सहायक जिला न्यायवादी के पद पर कार्यरत धीरज यादव का हरियाणा ज्यूडिशियल सर्विस में जज के पद पर चयन हुआ है। धीरज यादव गुरुग्राम जिले के पलड़ा गांव के निवासी है। धीरज ने सन 2021 में डॉक्टर राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी लखनऊ से कानून की डिग्री प्राप्त की। उनके चयन पर रेवाड़ी जिला न्यायालय में खुशी का माहौल है। उनके दादा पोहप सिंह यादव ने बताया कि धीरज ने अपनी मेहनत के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। धीरज ने अपने माता-पिता के अलावा अपने गांव का नाम भी रोशन किया है।

लीना ने कॉमर्स विषय से की नेट परीक्षा उत्तीर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

छात्रा लीना।

कोसली स्टेशन क्षेत्र निवासी छात्रा लीना ने कॉमर्स विषय में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने परिजनों का नाम रोशन किया है। सामान्य परिवार की 23 वर्षीय लीना ने बीकॉम एवं एमकॉम इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर से की थी। उन्होंने यूजीसी नेट परीक्षा में 57.34 परसेंटाइल प्राप्त किया है। अग्रवाल सभा के सुभाष चंद सुनील गर्ग, अजय, तेजपाल एडवोकेट व बसंत लोहिया ने लीना को सफलता पर बधाई देते हुए उसके

कैंप में 81 लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्रीकृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 81 लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच करके दवाईयां भी प्रदान की गई। शिविर में डॉ विक्रम यादव ने मेडिसिन, डॉ प्रशांत यादव ने हड्डीरोग व डॉ गौरव यादव ने सर्जरी में ओपीडी सेवाएं प्रदान की। इसके अलावा कैंप में फिजियोथेरेपिस्ट डॉ पूर्ण सिंह यादव ने भी कुछ मरीजों को फिजियोथैरेपी के बारे में गाइडलाइंस देकर फ्री सेवाएं देना शुरू किया। शिविर के आयोजन में डा. यशपाल यादव, अमर सिंह, आनंद यादव, सुरेंद्र सिंह, प्रो सतीश यादव व बिक्रम ने योगदान दिया।

एटीएम कार्ड बदलकर खाते से निकाले 22 हजार रुपये

- पीड़ति ने सिटी पुलिस थाने में शिकायत देकर आरोपित को पकड़ने की मांग की है

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शहर के चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क के सामने एक एटीएम से रुपये निकलवाने आए व्यक्ति का एटीएम कार्ड बदलकर 22 हजार रुपये उड़ा लिए। पीड़ति ने सिटी पुलिस थाने में शिकायत देकर आरोपित को पकड़ने की मांग की है। पुलिस ने पीड़ति की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर के मोहल्ला सैनीपुरा निवासी रमेश चंद में पुलिस में दी शिकायत में बताया कि वह 19 अक्टूबर को हुडा पार्क के सामने पीएनबी बैंक के एटीएम बूथ से पैसे निकलवाने के लिए गया था। एटीएम बूथ में एक व्यक्ति मेरे आने से पहले खड़ा हुआ था। उसने अपना एटीएम कार्ड मशीन में लगाया दिया तो वहां पर खड़े हुए व्यक्ति ने कहा कि आपने एटीएम कार्ड गलत तरीके से मशीन में लगा दिया है। उसी समय वहां खड़े हुए व्यक्ति ने अपने हाथ से मेरा एटीएम कार्ड मशीन से निकाल कर अपने हाथ में ले लिया और एटीएम कार्ड बदलकर मशीन में लगा दिया। उसके बाद एटीएम मशीन से रुपये निकालने की कोशिश की, लेकिन कोई रुपये नहीं निकला। उसके बाद वह वहां से चला गया। कुछ देर बाद मुझे एक मैसेज आया, जिसमें 17 हजार रुपये और उसके कुछ समय बाद 5 हजार रुपये मेरे खाते से निकालने के मैसेज मिला। मेरे खाते से टोटल 22 हजार रुपये निकल गए। जिस पर मुझे शक होने पर मैंने अपना एटीएम कार्ड चेक किया तो एटीएम कार्ड बदला हुआ मिला। रमेश चंद ने पुलिस से आरोपित को पकड़ने व रुपये बरामद करने की मांग की हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीरआगा में युवती के गले की चेन तोड़ बदमाश फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। सीसीटीवी में दिखाई दे रहे बाइक सवार चेन स्नेचर व घटना की जानकारी मौके से जुटाती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

शहर में चेन स्नेचरों के हौसले बुलंद हैं, जबकि पुलिस करीब आधा दर्जन चेन स्नेचिंग की वारदात होने के बावजूद महज लिखा पढ़ी तक सीमित है और अब तक एक भी चेन स्नेचर को नहीं पकड़ पाई है। स्नेचिंग की गई चेन बरामद करना तो पुलिस के लिए दूर की कौड़ी नजर आती है। इससे लोगों में रोष है।

जानकारी मुताबिक शहर के मोहल्ला पीरआगा में दोपहर करीब दो बजे दिन दहाड़े बाइक सवार दो युवकों ने एक युवती की चेन तोड़ ली। युवती पीरआगा स्थित अपने घर से करीब 100 मीटर दूरी पर ही थी, तभी एक स्पलेंडर बाइक पर दो युवक सवार होकर आए तथा एकाएक चेन तोड़कर फरार हो गए।

इससे मोहल्ला में शोर मच गया और घटनास्थल पर अनेक लोग एकत्रित हो गए। सूचना मिलने पर कुछ ही देर में पुलिस भी पहुंच गई। डायल 112 से लेकर सीटी पुलिस एवं सीआईए पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची तथा जायजा लिया, लेकिन चेन स्नेचर पुलिस के हाथ नहीं लगे। इससे पहले भी शहर में विभिन्न मार्गों पर करीब आधा दर्जन चेन स्नेचिंग की वारदात हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस अब तक एक भी वारदात का खुलासा नहीं कर पाई है। हालांकि अब घटित पीरआगा की वारदात में काफी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, लेकिन पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा। पुलिस ने पीड़ित युवती से संबंधित चेन स्नेचरों की जानकारी जुटाने का प्रयास किया। चेन स्नेचर एक ही बाइक पर सवार थे, जिनमें से बाइक चला रहे युवक ने हेलमेट पहना हुआ था, जबकि पीछे बैठा युवक बिना हेलमेट था। बाइक की नंबर प्लेट भी नहीं थी और वह एकदम से चेन तोड़कर वहां से फरार हो गए। हालांकि वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई।

सोलहराही तालाब पर मनाया जाएगा छठ पर्व

- पूर्वांचल सेवा समिति ने शुरू की तैयारियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

शहर में छठ पूजा पर्व के आयोजन को लेकर पूर्वांचलवासियों ने तैयारियां शुरू कर दी है। यह पर्व 7 व 8 नवंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। इससे पूर्व चार दिवसीय पर्व के लिए 5 नवंबर से ही नहाय-खाय के साथ पर्व की शुरूआत की जाएगी।

छह नवंबर को खरना किया जाएगा। पूर्वांचल सेवा समिति की ओर से सेक्टर-1 स्थित सोलहराही तालाब के पास तैयारी की जा रही है। छठ पर्व को लेकर पूर्वांचल सेवा समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिम्मेदारियां सौंपी गई। संस्था की ओर से प्रतिवर्ष छठ पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता रहा है। पूर्वांचल सेवा समिति के सचिव अश्विनी कुमार ने बताया कि इस बार छठ पर्व के लिए कृत्रिम तालाब की व्यवस्था की गई है, जिसमें श्रद्धालु 7 नवंबर को शाम छिपते सूर्य को अर्ध्य देंगे तथा 8 नवंबर को प्रातः कालीन उगते हुए सूर्य को अर्ध्य दिया जाएगा। संस्था की ओर से कई सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं श्रद्धालुओं के लिए विशेष पूजा अर्चना का आयोजन किया जाएगा।

समारोह के आयोजन के लिए सौंपे दायित्व

रेजांगला शौर्य दिवस समारोह 18 नवंबर को

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेजांगला शौर्य दिवस समारोह की तैयारी के लिए रविवार को रेजांगला युद्ध स्मारक पर कर्नल ओपी यादव की अध्यक्षता में समिति की बैठक आयोजित की गई। रेजांगला शौर्य समिति के तत्वावधान में 18 नवंबर को होने वाले वार्षिक समारोह की शुरूआत सुबह 9 बजे वैदिक रीति से हवन से किए जाने का निर्णय लिया गया। उसके बाद अमर शहीदों को श्रद्धांजलि तथा वीर नारियों का सम्मान मुख्य आकर्षण होगा। चूशूल घाटी में स्थित अहीर धाम रेजांगला युद्ध स्मारक पर स्कूल कॉलेज के छात्र-छात्राओं को शैक्षिक भ्रमण पर भेजने के लिए भारतीय सेवा के सहयोग से प्रोग्राम बनाने का कार्य भार मेजर अशोक यादव व राकेश खरकड़ा को सौंपा गया। जिला प्रशासन के अधिकारियों को महासचिव राव नरेश चौहान राष्ट्रपूत तथा समारोह के मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों को संपर्क करने के लिए मेजर टी सी राव को अधिकृत किया गया। रेवाड़ी के अलावा विभिन्न स्थानों पर 18 नवंबर को ही होने वाले रेजांगला शौर्य समारोह आयोजनों का परस्पर समन्वय स्थापित करने के लिए कप्तान बलबीर सिंह, कप्तान चंदन सिंह व सूबेदार मेजर धर्मदेव यादव की टीम गठित की गई। समारोह में शामिल होने के लिए वीर नारियों को सूचित करने का कार्य कप्तान चंदगी राम, नविंद्रा यादव व प्रिंसिपल यशवंत शास्त्री को सौंपा गया। मैनेजर वीपी शर्मा और विवेक यादव को युद्ध स्मारक पर व्यवस्था की जिम्मेवारी दी गई। युद्ध स्मारक पर चार दिवारी, शौचालय तथा चौकीदार निवास के आवश्यक निर्माण कार्य को पूरा कराने की जिम्मेवारी कप्तान भोलाराम यादव, वार्ड पार्षद लोकेश यादव एडवोकेट व हवलदार गजराज यादव को सौंपी गई। रेजांगला शौर्य समिति की अगली बैठक दिवाली के बाद की जाएगी।

रेवाड़ी। बैठक में उपस्थित रेजांगला शौर्य समिति के सदस्य।

खबर संक्षेप

स्कूल बस की टक्कर से बाइक सवार दो छात्र घायल

रेवाड़ी। गांव बूढ़पुर के पास तेज रफ्तार स्कूल बस की टक्कर से बाइक सवार दो छात्र घायल हो गए। सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव बूढ़पुर निवासी निखिल ने बताया कि वह और उसका साथी यशवीर बेरली स्थित आईटीआई में पढ़ाई करते हैं तथा किसी कार्य से रेवाड़ी आए थे। जब वह वापस जा रहे थे तो गांव बूढ़पुर के पास एक स्कूल बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद चालक बस को लेकर फरार हो गया। सूचना के बाद पहुंचे उनके परिजनों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मेले की पार्किंग से युवक की बाइक चोरी

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा के नंदरामपुर बास में लगे मेले में गए युवक की बाइक चोरी हो गई। हरचन्दपुर भिवाड़ी जिला खैरथल राजस्थान निवासी मनोज कुमार ने धारूहेड़ा थाना पुलिस को बताया कि वह 17 अक्टूबर शाम 7 बजे नंदरामपुर बास में बिशनदास महाराज के मेले मे घूमने गया था तथा अपनी माटर साइकिल मेला परिसर की निशुल्क पार्किंग में खडी की थी। जब वह रात्री करीब 9:15 बजे पार्किंग में आया तो वहां से मोटरसाईकिल गायब थी। उसने अपने स्तर पर बाइक को काफी तलाश किया तथा डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस ने अज्ञात पर बाइक चोरी का केस दर्ज किया है।

श्रेया ने मनोविज्ञान विषय में नेट किया क्वालीफाई

नाहड़। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाहड़ के प्राचार्य व गांव नांधा निवासी शिवराज सिंह चौहान की पुत्री श्रेया ने मनोविज्ञान विषय में प्रथम प्रयास में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की है। श्रेया ने इस परीक्षा में 99.52 परसेंटाइल प्राप्त की है। श्रेया ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता व दादा-दादी को दिया है। इलाके के गणमान्य व्यक्तियों विभिन्न संगठनों एवं स्टाफ सदस्यों ने श्रेया की उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पांच ट्रांजेक्शन के जरिए खाते से हजारों रुपये ट्रांसफर

धारूहेड़ा। महेश्वरी की शिव कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति के खाते से साइबर ठगों ने पांच ट्रांजेक्शन के जरिए हजारों रुपये राशि दूसरे खातों में ट्रांसफर कर ली। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में कॉलोनी निवासी बालकृष्ण ने बताया कि उसका एचडीएफसी भिवाड़ी शाखा में बचत खाता है। उसके खाते से 6 अक्टूबर को चार व 5 अक्टूबर के एक ट्रांजेक्शन हुई। उसके पास कोई ओटीपी भी नहीं आया था। उसके खाते से कुल 46715 रुपये दूसरे खातों में ट्रांसफर किए गए हैं।

बाल महोत्सव के छठे दिन 75 स्कूलों के विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

शास्त्रीय व सोलो डांस में थिरके बच्चों के कदम एकल गान में सुर और ताल का बना रहा संगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। सोलो डांस में भाग लेती छात्रा व शास्त्रीय डांस में भाग लेती छात्रा व सोलो डांस में भाग लेती छात्रा व सोलो डांस में भाग लेती छात्रा। फोटो :हरिभूमि

जिला बाल कल्याण परिषद् की ओर से बाल भवन में चल रहे 11 दिवसीय जिला स्तरीय बाल महोत्सव की श्रृंखला में छठे दिन एकल नृत्य प्रथम वर्ग, शास्त्रीय एकल नृत्य द्वितीय वर्ग तथा एकल गान द्वितीय वर्ग की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला बाल कल्याण अधिकारी वीरेंद्र यादव व निर्णायक मण्डल के सदस्यों ने किया। बाल महोत्सव के छठे दिन 75 स्कूलों के बच्चों नें एकल नृत्य, शास्त्रीय एकल नृत्य तथा एकल गान प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

निर्णायक मंडल की भूमिका में श्रीपति शेखावत, डा. अंकुर खैर, नीलम, रेनु व मदन डागर थे। कार्यक्रम में पिंकी कार्यक्रम अधिकारी, प्रवीण यादव लेखाकर, अमित, शुक्रम, अनिल शर्मा, मनोज डोगरा व कविता उपस्थित थे। कार्यक्रम में फैशन डिजाइनिंग सेंटर, कम्प्यूटर ट्रेनिंग सेंटर व ब्यूटी केयर सेंटर की प्रशिक्षु रेखा, कुमारी करीना, कुमारी प्रीति, कुमारी अर्चना, कुमारी हिमांशी, कुमारी अंजली, कुमारी एकता, कुमारी निशा तथा कुमारी प्रियंका ने वॉलेंटियर के रूप में सहयोग दिया।

ये रहे परिणाम

एकल नृत्य प्रथम वर्ग-आरपीएस स्कूल रेवाड़ी ने प्रथम, आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल रेवाड़ी ने द्वितीय तथा सूरज स्कूल धारूहेड़ा, राज इंटरनेशनल स्कूल तथा सैनी स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं यूरो इंटरनेशनल स्कूल धारूहेड़ा, एसडीएस सीनियर सैकेंडरी स्कूल बोलनी, एसवीएस स्कूल गुरावड़ा, मॉर्निंग स्टार स्कूल, यदुवंशी शिक्षा निकेतन, सर्व हिंद पब्लिक स्कूल गुरावड़ा, सनशाइन स्कूल बालधन, बिलिस स्कूल, आरडीएस पब्लिक स्कूल धारूहेड़ा, होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल, कारमेल कान्वेंट स्कूल, सूरज स्कूल बावल, विवेकानंद सीनियर सैकेंडरी स्कूल कुंड, डीपीआई स्कूल, राजकीय मॉडल संस्कृति पब्लिक स्कूल ढालियावास, वीआईपी स्कूल, अनेजा किडोज स्कूल, कैनाल वेली पब्लिक स्कूल बेरली, वेंकेटेश पब्लिक स्कूल, प्रोडजी स्कूल व आरपीएस स्कूल धारूहेड़ा को सांत्वना स्थान मिला।

शास्त्रीय एकल नृत्य द्वितीय वर्ग- जैन पब्लिक स्कूल ने प्रथम, आरपीएस पब्लिक स्कूल रेवाड़ी ने द्वितीय तथा यूरो इंटरनेशनल स्कूल धारूहेड़ा, राज इंटरनेशनल स्कूल, व कनाल वेली स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि प्रथम इंटरनेशनल स्कूल, एसकेएस स्कूल हांसाका, वीआईपी स्कूल, न्यू एरा वर्ल्ड स्कूल गुड़ियानी, सूरज स्कूल बावल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, आरडीएस पब्लिक स्कूल धारूहेड़ा, दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल, व यूरो इंटरनेशनल स्कूल रेवाड़ी को सांत्वना स्थान मिला।

बाल महोत्सव में बाल कल्याण अधिकारी के साथ छात्राएं।

सोलो डांस में भाग लेती छात्रा

इंटरनेशनल स्कूल, सूरज स्कूल, कोसली, बिलीस स्कूल, आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल, अरावली इंटरनेशनल स्कूल, व आरपीएस स्कूल कोसली ने सांत्वना स्थान पाया।

एकल गान द्वितीय वर्ग

आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल ने प्रथम, आरपीएस स्कूल रेवाड़ी ने द्वितीय व राज इंटरनेशनल स्कूल ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं श्रीकृष्ण एसएसएस, विवेकानन्द सीनियर सैकेंडरी स्कूल कुंड, यूरो इंटरनेशनल स्कूल धारूहेड़ा, सूरज स्कूल, सर्व हिंद स्कूल गुरावड़ा, सैनी पब्लिक स्कूल, बिलीस स्कूल, अरावली इंटरनेशनल स्कूल, कैनाल वैली पब्लिक स्कूल,आरडीएस पब्लिक स्कूल धारूहेड़ा, दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल, व यूरो इंटरनेशनल स्कूल रेवाड़ी को सांत्वना स्थान मिला।

आईजीयू में 'ग्रांड रिलेशन्स इन नॉट सो ग्रांड नैरेटिव्स' विषय पर सेमिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। आईजीयू में सेमिनार का उद्घाटन करते अतिथि। फोटो :हरिभूमि

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में अंग्रेजी विभाग की ओर से 'ग्रांड रिलेशन्स इन नॉट सो ग्रांड नैरेटिव्स' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्घाटन पौधारोपण से किया गया, जिसके बाद मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर आशुतोष मोहन, कुलपति प्रो. जेपी यादव, कुलसचिव प्रोफेसर तेज सिंह, विभागाध्यक्ष प्रोफेसर निखिलेश यादव अंग्रेजी विभाग, डीन प्रोफेसर सुभाष शर्मा, प्रोफेसर रोमीका बत्रा और डा. बिजेंद्र उपस्थित थे। प्रो. निखिलेश यादव ने सभी अतिथियों और वक्ताओं का औपचारिक स्वागत किया। कुलपति ने अंग्रेजी विभाग को सेमिनार के आयोजन के लिए बधाई दी। कुलसचिव प्रोफेसर तेज सिंह ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया। मुख्य वक्ता प्रोफेसर आशुतोष मोहन ने ग्रांड रिलेशन्स और नॉट सो ग्रांड नैरेटिव्स की व्याख्या की और सेमिनार के विषय की महत्वता पर प्रकाश डाला। प्लेनरी सत्र में जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के प्रो. सरोज महानंदा, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला के प्रो. सुषिल कुमार और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. मनोज कुमार ने अपने विचार प्रस्तुत किए। तीसरे सत्र में विभिन्न विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में अपने पेपर प्रस्तुत किए। समापन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. राजकुमार वर्मा ने अपने विचार प्रस्तुत किए। सेमिनार के संयोजक प्रोफेसर सुभाष चंद्र शर्मा ने औपचारिक धन्यवाद किया। सेमिनार के सह-संयोजक प्रो. रोमीका बत्रा और डा. बिजेंद्र ने सभी प्रतिभागियों और आयोजन टीम का आभार व्यक्त किया।

मुक्तेश्वरी मठ में मजिस्ट्रेट बने दीपक का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

रेवाड़ी। दीपक व सौरभ यादव को सम्मानित करते ट्रस्ट के पदाधिकारी व सदस्य।

कोसली के बाबा मुक्तेश्वरपुरी ट्रस्ट की ओर से मठ परिसर में कार्यक्रम का आयोजन कर हरियाणा न्यायिक सेवा में चयनित मजिस्ट्रेट कोसली स्टेशन क्षेत्र निवासी दीपक जांगड़ा व केंद्रीय एजेंसी सीबीआई में लगे सरकारी अभियोजक कोसली गांव निवासी सौरव यादव को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। ट्रस्ट की ओर से दीपक के पिता सूरजभान व सौरव के पिता सतेंद्र यादव के अतिरिक्त आरपीएफ के निरीक्षक बिजेंद्र सिंह को सामाजिक कार्यों में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री विक्रम सिंह यादव, मनोज कोसलिया, जिला पार्षद जीवन हितेषी, पूर्व सरपंच हरिओम, सुदर्शन, सुरेंद्र सिंह, उमेद सिंह यादव, विजय पूनिया रवींद्रनाथ गुप्ता, डा. सुषमा यादव, पूर्व प्राचार्य दुलीचंद, रतन कुमार एडवोकेट, धर्मेंद्र कुमार, महेश कुमार लखेरा, कैप्टन सुभाष यादव एडवोकेट, महेंद्र सिंह, संजय यादव एडवोकेट, रिंकू यादव, डा. ईश्वर,धर्मेंद्र यादव, सत्येंद्र यादव, अनिल कुमार, जांगड़ा समाज के प्रधान राम भगत, गांव के सरपंच रामकिशन, डा. सुचेत व धर्मेंद्र सहित अनेक ग्रामवासी मौजूद थे।

त्योहारी सीजन में ऑनलाइन शॉपिंग में साइबर ठगों से रहें सतर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एसपी गौरव राजपुरोहित।

- साइबर अपराधी फर्जी लॉटरी के नाम पर लुभावने दावे पेश कर धोखाधड़ी कर सकते हैं

पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित ने आमजन को ऑनलाइन बिक्री प्लेटफार्म के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी से बचने के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि आजकल त्योहारी सीजन चल रहा है, जिसके चलते लोग बड़ी संख्या में ऑनलाइन खरीददारी करते हैं, जिसका फायदा उठाकर साइबर जालसाल ऑनलाइन बिक्री प्लेटफॉर्म पर खरीददार होने का दिखावा करते हैं और विक्रेता के उत्पाद-उत्पादों में रुचि दिखाते हैं। विक्रेता को धन का भुगतान करने के बजाए, वह यूपीआई एप के माध्यम से भुगतान के विकल्प का प्रयोग करते हैं और यूपीआई पिन दर्ज कर अनुरोध को अनुमोदित करने का दबाव बनाते हैं।

जैसे ही विक्रेता पिन दर्ज करता है, धन साइबर जालसाज के खाते में अंतरित हो जाता है। उन्होंने आमजन से ऑनलाइन बिक्री प्लेटफार्म उत्पादों को खरीदते समय हमेशा सतर्क रहने और अधीकृत ऑनलाइन एप का इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी फर्जी लॉटरी के नाम पर लुभावने दावे पेश कर धोखाधड़ी कर सकते हैं। जालसाज विभिन्न माध्यमों जैसे टेक्स्ट मैसेज, व्हाट्सएप कॉल, ईमेल या डाक से प्रलोभन देते हैं, जिसमें कार, नकद राशि या इलेक्ट्रॉनिक्स जीतने का दावा किया जाता है। त्योहारी सीजन में किसी भी लिंक को खोलने से पहले दो बार सोच लें और अनजान नंबर या ऐसे नंबर जो आपके पास सेव नहीं हैं, उनके द्वारा मैसेज को नजर अंदाज करें।

राजनीति अभी तक काम नहीं आया पद और पार्टी से इस्तीफे का दबाव

तल्खी दिखाने के बाद खुद ही नरम कर लिए वरिष्ठ नेता ने तेवर

कैप्टन के इस्तीफे का नहीं आया इंपेक्ट सोशल साइट पर बैकफुट पर आए नजर

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

कैप्टन अजय यादव

राहुल गांधी

मल्लिकार्जुन खड़गे

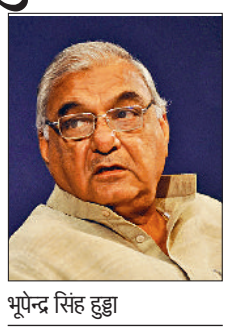

भूपेन्द्र सिंह हुड्डा

बीते 17 अक्टूबर को पार्टी की ओर से की जा रही उपेक्षा के चलते कांग्रेस की सदस्यता और ओबीसी सेल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले पूर्व कैप्टन अजय सिंह यादव के इस्तीफे का कोई इंपेक्ट अभी तक देखने को नहीं मिला है। उनके इस्तीफे को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से तो कोई प्रतिक्रिया आई ही नहीं है, साथ ही दूसरे नेताओं भी इसे गंभीरता से नहीं लिया है। सोशल मीडिया के जरिए राहुल गांधी तक पर निशाना साध चुके कैप्टन एक बार फिर खुद ही बैकफुट पर नजर आ रहे हैं। उन्होंने सोशल साइट 'एक्स' पर उन्होंने आजीवन कांग्रेसी ही बने रहने की बात कहते हुए एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वह अपने किसी भी फैसले पर मजबूती से कायम नहीं रहते हैं। चार दिन पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इस्तीफ भेजने का खुलासा एक्स पर करने वाले कैप्टन अजय सिंह यादव को लेकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की ओर से कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई। पहली पोस्ट के बाद उन्होंने दो पोस्ट और डालीं, जिनमें राहुल गांधी के चापलूस नेताओं से घिरे होने के आरोप तक लगाए गए। इसके बावजूद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की ओर से कैप्टन के इस्तीफे को लेकर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई। पार्टी नेतृत्व ने एक तरह से इस तरह के संकेत दिए कि उनके पार्टी के जाने या बने रहने से कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। कैप्टन ने इस्तीफा देने के बाद यह तो स्पष्ट कर दिया था कि वह किसी भी सूरत में भाजपा में नहीं जाएंगे, परंतु अगली रणनीति का खुलासा सोमवार को दिल्ली में करने की बात कही थी। इसके बाद कैप्टन ने खुद ही पलटी मारते हुए एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि उनकी ओर से ओबीसी सेल को मजबूत करने के लिए की गई मेहनत को हाईकमान ने सराहा तक नहीं।

पहले भी दो बार दे चुके चेतावनी

कैप्टन अजय सिंह यादव इससे पहले भी दो बार कांग्रेस छोड़ने की चेतावनी देने के बाद अपने निर्णय से पलट चुके हैं। लोकसभा चुनावों से पहले उनके भाजपा में जाने की चर्चाएं जोर पकड़ने लगी थीं, परंतु बाद में उनके तेवर नरम पड़ गए। ऐसा माना जा रहा है कि मजबूत विकल्प नहीं मिलने के कारण कैप्टन कांग्रेस हाईकमान पर दबाव बनाने की रणनीति में कामयाब नहीं हो पा रहे हैं, जिस कारण वह इस्तीफा देने के बावजूद बैकफुट पर नजर आ रहे हैं।

पुस्तैनी किला टूटने से परेशानी

कैप्टन को सबसे ज्यादा परेशानी रेवाड़ी हलके में विधानसभा चुनावों के दौरान बेटे चिरंजीव राव की हार से हुई है। इस सीट पर कैप्टन 1988 से लेकर 2014 तक लगातार विधायक बनते रहे। पूर्व सीएम हुड्डा के साथ मतभेदों के चलते उन्हें कांग्रेस में वह स्थान नहीं मिला, जिसके वह वास्तव में हकदार रहे हैं। ओबीसी विभाग का पद मिलने के बाद भी कैप्टन को राष्ट्रीय और प्रदेश स्तरीय नेताओं ने खास महत्व नहीं दिया। देखना यह है कि 21 अक्टूबर को कैप्टन का अगला कदम क्या होगा।

युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में एक और नाबालिग अभिरक्षा में

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने मोहल्ला कुतुबपुर में एक युवक को सुआ मारकर जानलेवा हमला करने के मामले में एक और नाबालिग को अभिरक्षा में लिया है। मामले में पुलिस एक आरोपी चिराग को गिरफ्तार कर दो नाबालिगों को पहले ही अभिरक्षा में ले चुकी है। मोहल्ला संघी का बास निवासी पंकज ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह अपने दोस्त जतिन के साथ किसी काम से मोहल्ला कुतुबपुर गया था। वहां पर चिराग व हिमांशु ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर उन पर जान से मारने की नियत से सुए से हमला कर दिया, जिससे उसका दोस्त जतिन गंभीर रूप से घायल हो गया और सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना रामपुरा में हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त एक आरोपी चिराग को गिरफ्तार कर 2 नाबालिग को पुलिस द्वारा पहले ही अभिरक्षा में लिया जा चुका है।